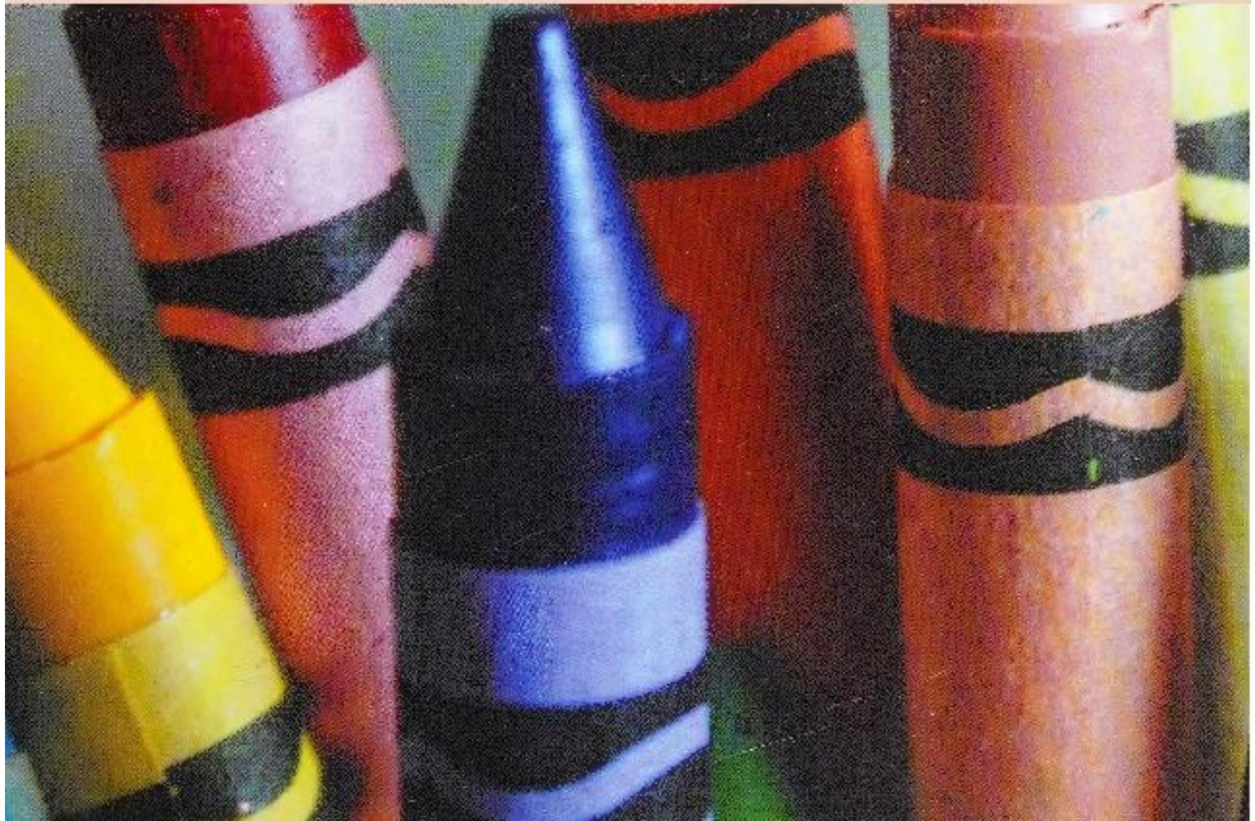
क्रेयॉन्स कैसे बनते हैं?

डेरेक मिलर



क्रेयॉन्स (मोम के रंग) कई रंगों में आते हैं.

लोग चित्र बनाने के लिए

क्रेयॉन्स का इस्तेमाल करते हैं.

क्रेयॉन्स बनाने में कई चरण लगते हैं.

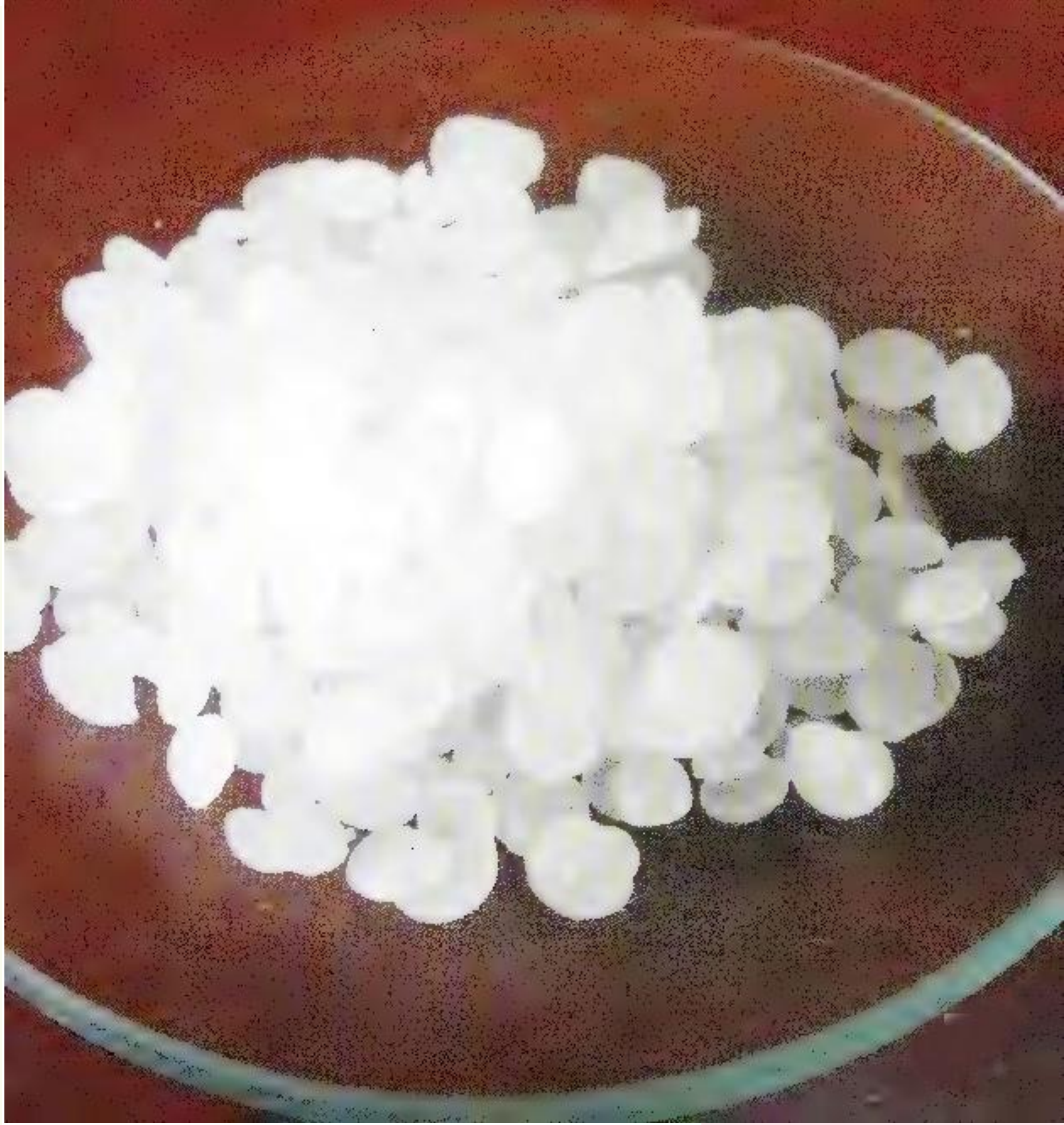


क्रेयॉन्स मोम से बनते हैं.

जब मोम ठंडा होता है.

तो वो ठोस होता है.

मोम छोटे-छोटे टुकड़ों में आता है.

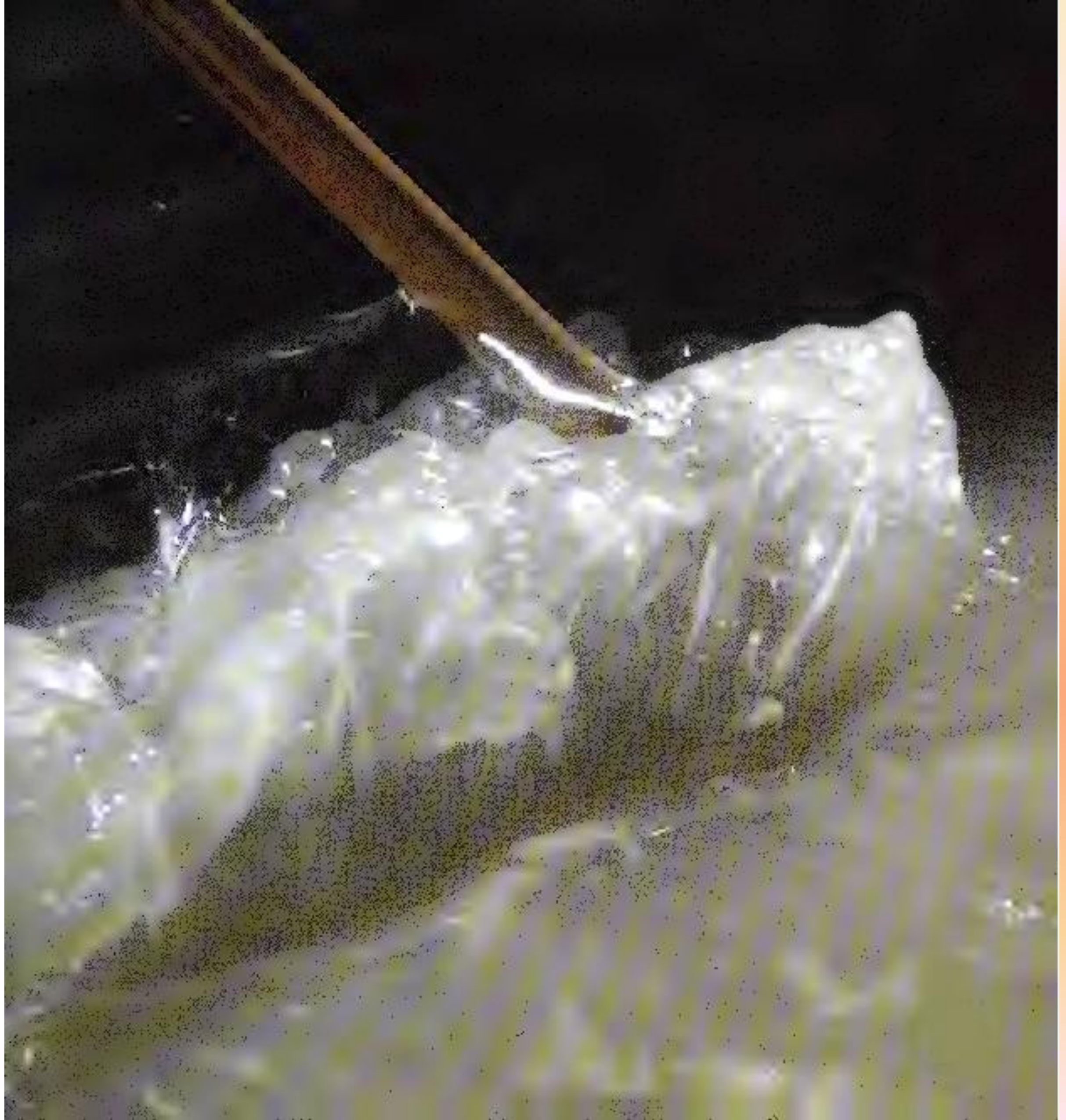


मोम को एक कारखाने में ले जाया जाता है.

उस कारखाने में क्रेयॉन्स बनते हैं.

पहले मोम को गर्म किया जाता है.

इससे वो पिघलकर तरल बन जाता है.

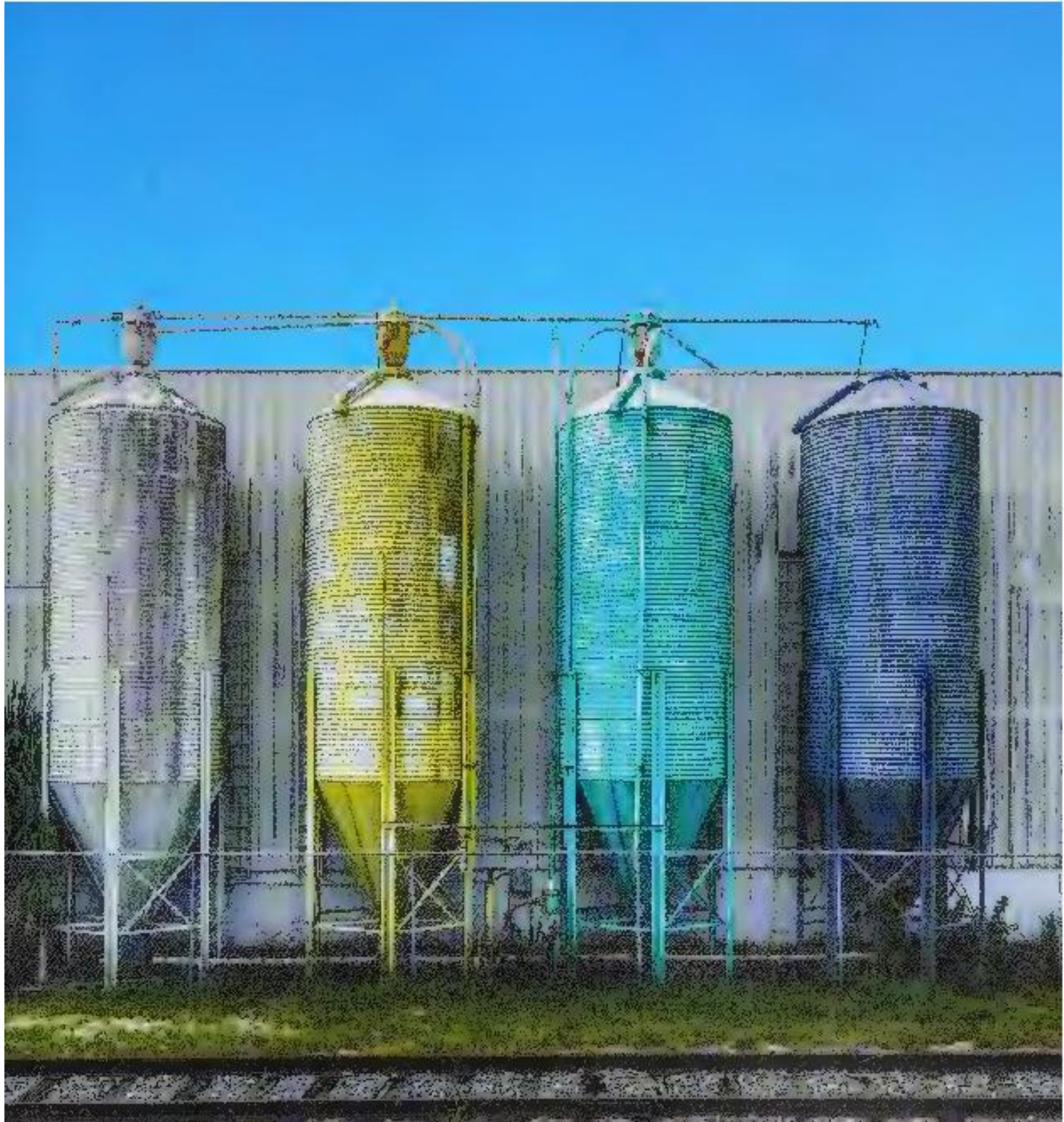


मोम एक बड़े टैंक में जाता है.

वो टैंक कारखाने का ही एक हिस्सा हैं.

मोम अभी भी गर्म है.

मोम अभी भी तरल है.



तरल मोम में रंग मिलाया जाता है.

रंगद्रव्य एक रंगीन पाउडर होता है.

वो क्रेयॉन्स को उनका रंग देता है.

मोम और रंगद्रव्य को मिलाया जाता है.



उनके मिश्रण को एक साँचे में जाता है.

साँचा किसी चीज़ को उसका आकार देता है.

साँचे का आकार क्रेयॉन्स जैसा होता है.



कुछ देर बाद मोम ठंडा हो जाता है.

और वो फिर से ठोस हो जाता है.

क्रेयॉन्स साँचे से बाहर आते हैं.



अब लेबल लगाने का समय है.

लेबल को क्रेयॉन्स पर दो बार लपेटा जाता है.

इससे क्रेयॉन्स मज़बूत बनते हैं.

अब क्रेयॉन्स आसानी से नहीं टूटेंगे.



मशीनें क्रेयॉन्स को इधर-उधर ले जाती हैं.

वे क्रेयॉन्स को बक्सों में भरती हैं.

अब क्रेयॉन्स इस्तेमाल के लिए तैयार हैं!

